

## लोकतंत्र की उपलब्धियाँ

लोकतंत्र की निम्नलिखित प्रमुख उपलब्धियाँ एवं विशेषताएँ हैं :

1. उत्तरदायी एवं वैध शासन व्यवस्था

- जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों का कल्याणकारी कार्यों के लिए तत्पर रहना।
- संविधान एवं कानून के दायरे में रहकर जनता के हित में कार्य करना।
- जनता का कार्य नहीं होने की स्थिति में चुनाव में उन्हें वोट से खारिज करना।

2. जनता का चुनावों में बढ़ चढ़कर भाग लेना

3. जनता का शिक्षित होना

4. सामाजिक समानता

संविधान के तहत नागरिकों को सामाजिक समानता का अधिकार दिया गया है जिसमें राज्य द्वारा धर्म, जाति, लिंग, वंश, जन्म स्थल के आधार पर नागरिकों में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता।

5. पंचायती राज व्यवस्था का सुदृढ़ होना

6. स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव

7. सामाजिक विषमता एवं सामंजस्य

- आपसी समझदारी एवं विश्वास को बढ़ाना।
- मतभेदों एवं टकरावों के बीच सामंजस्य

लोकतांत्रिक व्यवस्था एक उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है जो गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था में नहीं देखने को मिलता है। अगर हम भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सरसरी निगाह डालें तो उपर में वर्णित उपलब्धियों को लेकर भारतीय लोकतंत्र अपनी सफलता की सीढ़ी पर आगे बढ़ रहा है। कुछ एक बुराईयाँ—जैसे— धन—बल पर चुनाव लड़ना, अपराधी छवि वाले नेताओं की राजनीति में भागीदारी एवं परिवारवाद की राजनीति को समाप्त कर दिया जाए तो लोकतंत्र को सफल बनाया जा सकता है।

### बोर्ड द्वारा पूछे गए सवाल

1. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है?
2. भारत में लोकतंत्र कैसे सफल हो सकता है?
3. भारतीय लोकतंत्र कितना सफल है?

